|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 23. November 2025 | | |
| **CHRISTKÖNIGSSONNTAG C** | | |
| Erste Lesung: 2 Sam 5, 1-3; Zweite Lesung: Kol 1, 12-20; Evangelium: Lk 23, 35b-43 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 775, 1-3 | König ist der Herr |
|  | GL 375, 1-4 | Gelobt seist du |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 160 | Gott des Vaters ewger Sohn |
|  | GL 163, 2 | Herr Jesus, du König aller Menschen |
|  | GL 279 | Hosanna dem Sohne Davids |
|  | GL 705 | Kyrie eleison! Du Heiland |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 172 | Gott in der Höh |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 122, 1-5 |  |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 78, 1 | Jerusalem, rühme den Herrn |
|  | GL 141 | Auf, lasst uns jubeln dem Herrn |
|  | oder |  |
|  | GL 773, 1-3 | Dich, König, loben wir |
|  | GL 560, 1 / 2+5 | Christus Sieger, Christus König |
|  |  | |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 7 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Gesegnet sei, der kommt im Namen des Herrn!* | |
|  | *Gesegnet sei das Reich unseres Vaters David,* | |
|  | *das nun kommt.* | |
|  |  | |
| Credo: | GL 793 | Dich, o Gott, wir Vater nennen |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 299, 1+4+6 | Der König siegt |
|  | GL 360, 1+5 | Macht weit die Pforten |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 129 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 204 | Christe, du Lamm Gottes |
|  | GL 498, 1+2 | Das Heil der Welt |
|  | GL 808, 1+4 | Deinem Heiland, deinem Lehrer |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 357, 1+6 | Wie schön leuchtet der Morgenstern |
|  | GL 364, 1+5 | Schönster Herr Jesu |
|  | GL 211 | Wir rühmen dich, König |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 392, 1+2+5 | Lobe den Herren |